सर्टिफिकेट पिम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

मॉड्यूल 15- जल उपभोक्ता समिति को सशक्त करने वाले तत्व

विषय 15.3 नेतृत्व

विषय 15.3
नेतृत्व

मॉड्यूल 15 के विषय:

15.1 अंतर्विभागीय संपर्क

15.2 महिलाओं की भागीदारी

15.3 नेतृत्व

15.4 सामुदायिक गतिशीलता

1. पृष्ठभूमि

जल उपभोक्ता समिति (डब्ल्यू.यू.ए.) सिंचाई प्रबंधन हस्तांतरण (आई.एम.टी.) की रीढ़ हैं, या दूसरे शब्दों में, डब्ल्यू.यू.ए.की सफलता आई.एम.टी. कार्यक्रम की प्रभावशीलता को चिह्नित करता है। देश भर में, डब्ल्यू.यू.ए. का गठन राज्य-विशिष्ट अधिनियमों या मौजूदा अधिनियमों में संशोधनों और कुछ मामलों में सरकारी

अधिसूचना के माध्यम से भी किया जाता है । देश के भीतर, डब्ल्यू.यू.ए. के विकास विभिन्न स्तरों पर हैं । कुछ स्थानों पर वे सफल होते हैं; दूसरी ओर अधिकांश स्थानों पर सफल डब्ल्यू.यू.ए. की स्थापना एक 'कार्य-प्रगति' की तरह है।

अपने अधिकार क्षेत्र में नहर प्रणाली के सामान्य संचालन और रखरखाव (ओ.एंड एम.) के अलावा, कई डब्ल्यू.यू.ए. सिंचाई शुल्क संग्रह में भी लगे हुए हैं। दूसरी ओर, कुछ ' बहुत प्रगतिशील' डब्ल्यू.यू.ए. कई अन्य गतिविधियों में लगे हुए हैं और यह सब उन्हें देश के कई अन्य डब्ल्यू.यू.ए. से अलग बनाया जाता है ।

डब्ल्यू.यू.ए. को मजबूत बनाना एक बहुआयामी मामला है जिसके विभिन्न बहुविषयक और बहु-क्षेत्रीय पहलू हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है। इनमें से कुछ पहलू विशुद्ध रूप से सूचना और जागरूकता से संबंधित हैं, जबकि अन्य वास्तविक जीवन के मामले (केस-स्टडीज) के अध्ययन के माध्यम से प्रेरणा और आत्म-विश्वास से संबंधित हैं:

1. डब्ल्यू.यू.ए. को मजबूत बनाने में सहायता करने वाले पहलुओं पर चर्चा - जागरूकता और जानकारी
2. डब्ल्यू.यू.ए. को एक आत्मनिर्भर और सक्रिय मॉडल बनाने के प्रति किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए - क्षमता प्रदान करना
3. कुछ वास्तविक जीवन के मामले (केस-स्टडीज) के अध्ययन साझा करते हुए डब्ल्यू.यू.ए. में विश्वास स्थापित करने के लिए के लिए कि, ' हां यह संभव है ' - आत्म विश्वास

इस मॉड्यूल का उद्देश्य उपरोक्त तीनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, जल उपभोक्ता समिति को सशक्त बनाने वाले निम्न लिखित 4 तत्वों पर चर्चा करना है-

1) अंतर्विभागीय संपर्क-
   - कैसे विभिन्न विभाग डब्ल्यू.यू.ए. के लिए उपयोगी हो सकते है
   - सम्बंधित योजनाओं से लाभ

2) महिलाओं की भागीदारी

3) कुशल नेतृत्व

4) सामुदायिक जुड़ाव (समुदाय के एकत्रीकरण के मूल्य)

इस उप-मॉड्यूल में हम नेतृत्व पर चर्चा करेंगे:

नेतृत्व :

`नेतृत्व करने वाले को नेता या अधिनायक कहते है। एक अच्छा नेता चमत्कार कर सकता है अपने संगठन को अगले स्तर तक उठा सकता है और नाम कमा सकता है। डब्ल्यू.यू.ए. अध्यक्षों, आउटलेट समितियों के प्रमुखों और एक डब्ल्यू.यू.ए. के अन्य कार्यकारी सदस्यों को अपने आचरण और व्यवहार के माध्यम से एक सही और आगामी दिशा की ओर साथी डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को प्रोत्साहित करते रहना चाहिए । उन्हें सबके लिए उदाहरण बनना चाहिए । एक डब्ल्यू.यू.ए. स्तर पर, नेता में निम्नलिखित खूबियां होनी चाहिए

क. **दूरदर्शी-** डब्ल्यू.यू.ए. या आउटलेट समिति में या किसी वितरित समिति में या परियोजना समिति का नेता दूरदर्शी होना चाहिए। उसे स्पष्ट होना चाहिए कि वह आने वाले वर्षों में अपने संगठन को कहां देखना चाहता है और वह उसे कैसे प्राप्त कर सकता है।

ख. **डब्ल्यू.यू.ए. के कार्यकलापों की अच्छी तरह** से **जानकारी** - वह सहभागी सिंचाई प्रबंधन अधिनियमों या डब्ल्यू.यू.ए. संबंधित सूचनाओं और नियमों (राज्य और राष्ट्रीय) को पूरी तरह से समझता होना चाहिए । एक अच्छी तरह से सूचित नेता न केवल अपने साथी डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को जागरूक कर सकता है, बल्कि सही निर्णय भी ले सकता है।

ग. **अन्य डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों के लिए ट्रेनर -** वह इस एक अच्छा ट्रेनर होना चाहिए कि उनके विचार-विमर्श और प्रदर्शन साथी डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को वांछित पहलुओं की व्याख्या अच्छे से कर सकते हों ।

घ. **डब्ल्यू.यू.ए.** के **बाहर हो रहे कार्यक्रमों की जानकारी -** उस पर निगरानी रखें- बदलती बाहरी परिपेक्ष एवं चुनौतियां और अवसर की जानकारी रखे । एक नेता को इस सब के बारे में खुद को जागरूक रखना चाहिए, ताकि वह अवसरों से लाभ उठा सके और बाहरी परिस्थितियों को बदलने से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती के लिए अपने डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को तैयार कर सके ।

ङ **विभागों के साथ तालमेल विकसित करें** - उन्हें प्रमुख संबंधित विभागों के साथ नियमित संपर्क में रहना चाहिए, जिनमें जल संसाधन और सिंचाई विभाग, कृषि विभाग, स्थानीय कृषि विश्वविद्यालय या के.वी.के., मंडियों, सहकारी समितियों आदि के स्थानीय अधिकारी और क्षेत्रीय पदाधिकारी शामिल हैं।

च **डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को प्रेरित रखें** - हर समय नेता को अपने साथी किसानों को वर्तमान स्थिति से सुधार की दिशा में प्रेरित करते रहना चाहिए, ताकि वह एक बेहतर डब्ल्यू.यू.ए. बन। सके ।

छ. **डब्ल्यू.यू.ए. को एक सक्रिय इकाई बनाये रखें** - नहर के संचालन और रखरखाव के साथ-साथ, साथी डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों के बीच कमान क्षेत्र में सिंचाई जल वितरण एक डब्ल्यू.यू.ए. का प्रमुख कार्य है। एक डब्ल्यू.यू.ए. को अकेले इस गतिविधि तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए । बल्कि, नेता के पास डब्ल्यू.यू.ए. को एक सक्रिय इकाई रखने की कोशिश करते रहना चाहिए । उन्हें डब्ल्यू.यू.ए. को अन्य संबद्ध गतिविधियों में शामिल करना चाहिए, जैसे-बागवानी, फूलों की खेती, कीटनाशकों और उर्वरकों का उपयोग/खरीद, बुनियादी खाद्य प्रसंस्करण, आसपास के क्षेत्रों में ज्ञान विनिमय (जहां प्रगतिशील खेती होती है) । उन्हें अपनी कृषि और सिंचाई प्रथाओं में सुधार करने के लिए भी साथी डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को प्रेरित करते रहना चाहिए ।

ज. तटस्थ और पारदर्शी - एक नेता के लिए हर परिस्थिति में तटस्थ और पारदर्शी बने रहना चाहिए। उन्हें डब्ल्यू.यू.ए. मामलों को निपटने में किसी भी स्तर पे भेदभाव नहीं करना चाहिए ।

आगे दर्शाए चित्र में ये बताने की कोशिश की गई है कि, एक आदर्श डब्ल्यू.यू.ए. नेता का आचरण क्या होना चाहिए ।

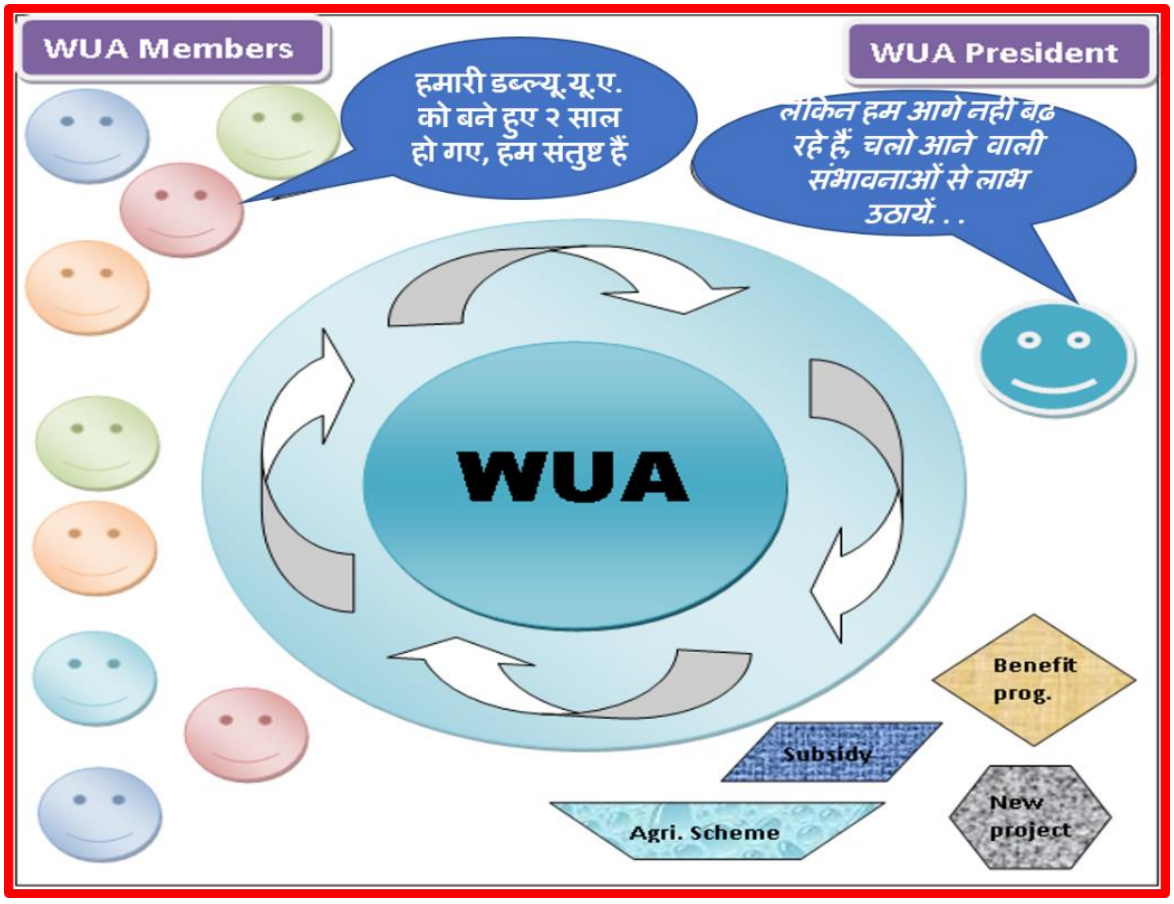

एक छोटे से वाकया की चर्चा नीचे बॉक्स में की गयी है, जिसके द्वारा यह बताने की कोशिश की गयी है, कि कैसे एक सक्रिय डब्ल्यू.यू.ए. साथी डब्ल्यू.यू.ए.सदस्यों की मदद कर सकती है ।

भोरी डब्ल्यू.यू.ए. हरसी सिंचाई परियोजना, डबरा, (मध्य प्रदेश) के किसानों को 2007-08 के दौरान फ़र्टिलाइज़र की खरीद में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और स्थानीय खुले बाजार में उसका मूल्य अधिकतम खुदरा मूल्य से बहुत अधिक था । भोरी डब्ल्यू.यू.ए. के अध्यक्ष ने डब्ल्यू.यू.ए. के पदाधिकारियों के साथ बैठक की और डब्ल्यू.यू.ए. स्तर पर डी.ए.पी. खरीदने का निर्णय लिया। यह काम डब्ल्यू.यू.ए. सदस्य के पुत्र श्री प्रेम सिंह कुशवाहा की मदद से किया गया। तय प्रक्रिया के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य कृषि उद्योग निगम, मध्य प्रदेश सरकार के स्थानीय अधिकारियों के साथ चर्चा करने के बाद, के अनुसार, उन्होंने आवश्यक दस्तावेज (किसान कार्ड की प्रति, राशन कार्ड की प्रति) और साथी डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों से पैसे एकत्र किए । श्री प्रेम सिंह ने लाभार्थी डब्ल्यू.यू.ए, सदस्यों, उनके निवास-स्थान और उनके लिए खरीदे जाने वाले डी.ए.पी. की मात्रा की सूची तैयार की। उन्होंने ये दस्तावेज एम.पी. एग्रो. के अधिकारियों को डी.ए.पी. की डिलीवरी के लिए उपलब्ध कराए। इस तरह से खरीदी हुई डी.ए.पी. डब्ल्यू.यू.ए. सदस्यों को सौंप दी गई ।